

राज्य में दिसंबर 2025 में हुए **निकाय चुनावों के परिणामों के बाद**, भाजपा ने अंबरनाथ में कांग्रेस और NCP के साथ मिलकर **‘अंबरनाथ विकास अघाड़ी’** नाम से नेतृत्व बनाया और अकोट में AIMIM समेत अन्य दलों के साथ स्थानीय समझौता किया गया।

मुख्यमंत्री की इस प्रतिक्रिया के बाद **भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में अनुशासन बार-बार चर्चा में है** और राज्य नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ऐसे कोई गठबंधन **भाजपा के राष्ट्रीय और राज्य स्तर नीति सिद्धांतों के खिलाफ है**।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह घटनाक्रम **स्थानीय राजनीति और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की छवि के बीच भ्रांति भी** उजागर करता है, खासकर तब जब भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर “कांग्रेस-मुक्त भारत” जैसे नारे देती रही है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.